मूल्यपरक– प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
''हमारे साहित्यकार''

साहित्य समाज का दर्पण है। यह जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिम्ब होता है। आदि से अन्त तक इन्हीं चित्तवृत्ति को संचित कर उन्हें व्यवस्थित रूप में शब्दों को अटूट श्रृंखला में पिरोकर लिखित रूप में देने वाला, साहित्यकार कहलाता है। साहित्य की मूल चेतना और भावना अथवा आधार मानव और समाज की उन्नति है। मानव समाज द्वेष, घृणा, शोषण और अमानवीय कर्मों को त्याग कर प्रेम, त्याग और समत्व के आधार पर ही विकास की ओर बढ़ता है। साहित्य शब्द से उसके अनेक रूपों और विधाओं का ज्ञान होता है। कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक एकांकी, निबन्ध आलोचना आदि विधाएं साहित्य के ही रूप हैं। साहित्य की रचना समाज से ही होती है। आत्मा और शरीर का जो संबंध है, वही संबंध साहित्य और समाज का भी है।

साहित्यकार समाज से ही जन्म लेते हैं, साहित्यकार के व्यक्तित्व की अलग पहचान यही हो सकती कि उसकी दृष्टि और चिन्तन शक्ति, भावना और संवेदना साधारण व्यक्ति से भिन्न होती है। साहित्यकार जिस साहित्य की रचना करता है, उसकी जड़ें समाज से ही विषय वस्तु प्राप्त करती हैं, और उसी में गहरी जुड़ी हैं। साहित्यकार अपने समाज की परिस्थितियों में ही जीता है। साहित्यकार समाज का अंग होकर भी पथ–प्रदर्शक होता है। साहित्य में विश्व मानव और 'बसुध ौव कुटुम्बकम्'' की जो भावना है। मनुष्य के भौतिक और आत्मिक उत्थान की जो कामना करता है, वह सभी महान संस्कृति का प्रमाण है। साहित्यकार, रचनाकार, लेखक, कवि की कोई धर्म या जाति नहीं होती है। साहित्यकार यद्यपि उपदेशक नहीं होता है, तथापि उसका व्यापक चिन्तन समाज को नई दिशा देता है।

केवल मनोरंजन ही न कवि का कर्म होना चाहिए।
उसमें उचित उपदेश का भी मर्म होना चाहिए।

विषय–हिन्दी
मूल्यपरक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
''हमारे साहित्यकार''

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षा के विद्यार्थियों को साहित्य की समझ एवं साहित्यकारों का सम्पूर्ण परिचय प्राप्त करने के लिए इस प्रकार का पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण है। साहित्यकारों के जीवन उनके द्वारा साहित्य में दिये गये योगदान के बारे में गहन अध्ययन करके विद्यार्थी प्रेरित होगा, सीखेगा और उसमें साहित्यिक अभिरूचि का विकास होगा। साथ ही साथ कवि या लेखक बनने या लेखन कार्य के प्रति रूझान बनेगा।

ईकाई–1 आदिकालीन कविः–
गोरखनाथ, खुसरो

ईकाई–2 मध्यकालीन कविः–
कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, भूषण, मीराबाई

ईकाई–3 आधुनिक कविः–
जयशंकर प्रसाद, पन्त, निराला, महादेवी वर्मा, दिनकर, मैथिलीशरण गुप्त

ईकाई–4 आधुनिक लेखकः–
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचन्द, मैत्रेयी पुष्पा, मन्नू भण्डारी